डीडब्ल्यूईडी

महिला सशक्तिकरण और विकास में डिप्लोमा कार्यक्रम

(डी.डब्ल्यू.ई.डी.)

सत्रीय कार्य 1 से 4

जुलाई 2019 एवं जनवरी 2020 सत्रों में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों हेतु

जमा कराने की अंतिम तिथि

जुलाई 2019 सत्र : फरवरी 1, 2020
जनवरी 2020 सत्र : अगस्त 1, 2020

(1) जेंडर प्रशिक्षण परिप्रेक्ष्य (बी.डब्ल्यू.ई.एफ.–002)

(2) संगठन और नेतृत्व (बी.डब्ल्यू.ई.ई.–006)

(3) कार्य और उद्यमशीलता (बी.डब्ल्यू.ई.ई.–007)

(4) ऋण और वित्त (बी.डब्ल्यू.ई.ई.–008)

जेंडर एवं विकास अध्ययन विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

विशेष ध्यान देने योग्य बात :

यह बात सामने आई है कि कुछ छात्र बोध प्रश्नों के अभ्यासों के उत्तर विश्वविद्यालय को मूल्यांकन के लिए भेज रहे हैं। कृपया इन्हें मत भेजिए। ये अभ्यास आपको स्वयं अपनी प्रगति का निर्णय करने में सहायता करने के लिए दिए गए हैं। इस उद्देश्य के लिए हमने प्रत्येक इकाई के अंत में इन अभ्यासों के उत्तर दिए हैं।

अपने उत्तर पत्रक भेजने से पहले कृपया यह सुनिश्चित कर लें कि आपने निम्नलिखित बातों का ध्यान रखा है :

- आपने अपनी नामांकन संख्या, नाम और पता सही–सही लिखा है।
- पाठ्यक्रम का शीर्षक और सत्रीय कार्य की संख्या स्पष्ट रूप से लिखी है।
- प्रत्येक पाठ्यक्रम का प्रत्येक सत्रीय कार्य अलग–अलग पत्रकों/शीटों पर लिखा है और उन्हें सही ढंग से बाँध दिया है।
- सत्रीय कार्यों के सभी प्रश्नों के उत्तर लिख दिए हैं।

अब, प्रश्नों के उत्तर देने से पहले यह निर्देश पढ़ लें।

ध्यान रखने योग्य बिंदु

1) **योजना बनाना** : सत्रीय कार्यों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। उन इकाइयों का अध्ययन करें जिन पर ये सत्रीय कार्य आधारित हैं। प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ बातें नोट कर लें और तत्पश्चात् उन्हें तर्कसंगत क्रम से व्यवस्थित करें।

2) **व्यवस्थापन** : अपने उत्तरों की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले उनके चयन और विश्लेषण पर थोड़ा अधिक ध्यान दें। निबंध जैसे किसी प्रश्न का उत्तर देते समय

प्रस्तावना और निष्कर्ष पर पर्याप्त ध्यान दें। प्रस्तावना में संक्षेप में प्रश्न की व्याख्या करें और बताएँ कि आप विस्तार से इसे स्पष्ट करेंगे। निष्कर्ष में आपको प्रश्न के उत्तर का सारांश प्रस्तुत करना चाहिए।

यह सुनिश्चित करें कि :

क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है।

ख) उत्तर के वाक्यों और अनुच्छेदों/पैराग्राफों के बीच स्पष्ट संबंध है।

ग) आपने अपनी अभिव्यक्ति, शैली और प्रस्तुति को उपयुक्त महत्व देते हुए उत्तर सही–सही लिखा है।

3) **प्रस्तुति** : जब आपको अपने उत्तर संतोषजनक लगें तो आप उन्हें भेजने के लिए अंतिम रूप देकर लिख लें। प्रत्येक उत्तर स्पष्ट रूप से लिखें और जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित करें।

महिला सशक्तिकरण और विकास में डिप्लोमा कार्यक्रम

कार्यक्रम कोड : (डी.डब्ल्यू.ई.डी.)

प्रिय विद्यार्थी,

आशा है कि अध्ययन के ये पाठ्यक्रम आपको रुचिकर लग रहे होंगे। सत्रीय कार्यों को सुव्यवस्थित रूप से करने के लिए निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए।

निर्देश

सत्रीय कार्यों को करने से पहले कृपया निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए :

1) कार्यक्रम दर्शिका में सत्रीय कार्यों के बारे में दिए गए विस्तृत निर्देशों को पढ़िए।

2) अपने उत्तर पत्रक (पत्रकों) के पहले पृष्ठ पर सबसे ऊपर दाहिने कोने पर अपनी नामांकन संख्या, नाम, पूरा पता और तारीख लिखें।

3) अपने उत्तर पत्रक (पत्रकों) के पहले पृष्ठ के मध्य में पाठ्यक्रम शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या और उस अध्ययन केंद्र का नाम लिखें, जिससे आप संबद्ध हैं।

आपके उत्तर पत्रक के पहले पृष्ठ का सबसे ऊपरी भाग ऐसा होना चाहिए :

पाठ्यक्रम का शीर्षक ..... नामांकन संख्या .....

सत्रीय कार्य संख्या ..... नाम .....

अध्ययन केंद्र ..... पता .....

.....

तारीख .....

---

4) अपना उत्तर लिखने के लिए केवल फुलस्केप कागज का प्रयोग करें और सभी पृष्ठों को सावधानीपूर्वक बाँध दें।

5) प्रत्येक उत्तर के साथ उसकी प्रश्न संख्या लिखें।

6) अपनी लिखावट में ही लिखें।

7) प्रस्तुतिः सत्रीय कार्य को पूरा करके उसे अपने अध्ययन केंद्र के संचालक को भेजें।

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
जेंडर एवं विकास अध्ययन विद्यापीठ

महिला सशक्तिकरण और विकास में डिप्लोमा कार्यक्रम

बी.डब्ल्यू.ई.एफ.–002 : जेंडर प्रशिक्षण परिप्रेक्ष्य
सत्रीय कार्य 1

कार्यक्रम कोड : डीडब्ल्यूईडी
पाठ्यक्रम कोड : बी.डब्ल्यू.ई.एफ.–002
सत्रीय कार्य कोड : बी.डब्ल्यू.ई.एफ.–002/टीएमए–1/19–20

अधिकतम अंक :100
अधिभारिता : 30%

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार का उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के समान अंक है।

1. समूह विकास के विविध चरणों को सविस्तार लिखिए। (25)

2. सहभागी अधिगम विधियाँ (पीएएलएम) क्या हैं? सविस्तार लिखिए। (25)

3. प्रशिक्षकों के संप्रेषण कौशलों को बेहतर कैसे बनाया जा सकता है? सविस्तार समझाइए। (25)

4. अनुवीक्षण (निगरानी) और मूल्यांकन की परिभाषा दीजिए। सहभागितापरक मूल्यांकन की विशेषताओं की चर्चा कीजिए। (25)

5. अनुवर्ती कार्रवाई के महत्व का वर्णन कीजिए और विविध प्रकार की रिपोर्टो का वर्णन कीजिए। (25)

6. सुगमीकरण क्या है? सुगमीकरण की विविध शैलियों का वर्णन कीजिए। (25)

7. परंपरागत और सहभागितापरक प्रशिक्षण के बीच क्या अंतर है? स्पष्ट कीजिए। (25)

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
जेंडर एवं विकास अध्ययन विद्यापीठ

महिला सशक्तिकरण और विकास में डिप्लोमा कार्यक्रम
बी.डब्ल्यू.ई.ई.–007: कार्य और उद्यमशीलता
सत्रीय कार्य 3

कार्यक्रम कोड : डीडब्ल्यूईडी
पाठ्यक्रम कोड : बी.डब्ल्यू.ई.ई.–007
सत्रीय कार्य कोड : बी.डब्ल्यू.ई.ई.–007/टीएमए–1/19–20

अधिकतम अंक :100
अधिभारिता : 30%

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार का उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के समान अंक है।

1. कामकाज (कार्य) की परिभाषा दीजिए और महिलाओं के कामकाजी पैटर्न का निर्धारण करने की प्रक्रिया की चर्चा कीजिए। (25)

2. कार्यशील पूँजी पर एक नोट, उदाहरण देते हुए लिखिए। (25)

3. स्वॉट विश्लेषण का वर्णन कीजिए और व्यवसाय की स्थापना करने में इसकी भूमिका स्पष्ट कीजिए। (25)

4. विभिन्न प्रकार के अंतःक्षेप कौन से हैं, जो ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं की आमदनी बढ़ाने में सहायक हो सकते हैं? (25)

5. व्यक्तित्व के विविध सिद्धांत लिखिए। (25)

6. उद्यमशीता संबंधी सक्षमताओं पर एक नोट उचित केस अध्ययनों का उल्लेख करते हुए कीजिए। (25)

7. संसाधन जुटाना क्या है? वर्णन कीजिए। (25)

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
जेंडर एवं विकास अध्ययन विद्यापीठ

महिला सशक्तिकरण और विकास में डिप्लोमा कार्यक्रम
बी.डब्ल्यू.ई.ई.–008: ऋण और वित्त
सत्रीय कार्य 4

कार्यक्रम कोड : डीडब्ल्यूईडी
पाठ्यक्रम कोड : बी.डब्ल्यू.ई.ई.–008
सत्रीय कार्य कोड : बी.डब्ल्यू.ई.ई.–008/टीएमए–1/19–20

अधिकतम अंक :100
अधिभारिता : 30%

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार का उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के समान अंक है।

1. महिलाओं के विकास को बढ़ावा देने में सूक्ष्म ऋण के योगदान की चर्चा कीजिए। (25)

2. सूक्ष्म वित्त और सूक्ष्म ऋण को बढ़ावा देने में एसएचजी बैंक कड़ियों के उभरते मॉडलों का वर्णन कीजिए। (25)

3. स्व स्हायता समूहों (एसएचजीस) को स्थिर बनाने में सम्मिलित महत्वपूर्ण कारक कौन से हैं? (25)

4. ऋण चुकौती के विविध उपलब्ध दिशा–निर्देशों और कार्यविधियों का वर्णन कीजिए। (25)

5. राष्ट्रीय महिला कोष पर एक निबंध लिखिए। (25)

6. स्व सहायता समूह गठन में नेटवर्क के महत्व को परिभाषित कीजिए और इस पर सविस्तार चर्चा कीजिए। (25)

7. संक्षेप में नोट लिखिए। (25)
   (क) बही खाता पद्धति
   (ख) लेखाकरण
   (ग) लेखाविधि
   (घ) रोकड़ बही
   (च) खाता–बही